राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 25 सितंबर, 2020 की बैठक का कार्यवृत्त

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 25 सितंबर, 2020 को 11.30 बजे प्रशासनिक खण्ड के प्रथम तल पर स्थित समिति कक्ष में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1.	आचार्य प्रमोद कुमार जैन, निदेशक	-	अध्यक्ष
2.	आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र)	-	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. शुभेन्दु प्रकाश माथुर, कुलसचिव	-	सदस्य
4.	आचार्य रजनेश त्यागी, अधिष्ठाता (संकाय कार्य) प्रभार	-	सदस्य
5.	आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
6.	आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग	-	सदस्य
7.	श्री राजन श्रीवास्तव, संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन)	-	सदस्य
8.	श्री गंगेश शाह गोंडवाना, सहायक कुलसचिव (राजभाषा)	-	सदस्य सचिव

अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास), अधिष्ठाता (छात्र कार्य), अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य), आचार्य सत्यवीर सिंह, श्रीमती स्वाति बिस्वास एवं श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केंद्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद, वाराणसी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्ष महोदय द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया एवं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के मदों पर चर्चा प्रारम्भ की गई।

मद सं. 1: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 03 फरवरी, 2020 की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि:

दिनांक 03 फरवरी, 2020 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समिति ने पुष्टि की।

मद सं. 2: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 03 फरवरी, 2020 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 03 फरवरी, 2020 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की पुष्टि करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

क) हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों/अनुभागों को प्रशस्ति पत्र देने हेतु प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन हेतु एक समिति गठित की जाय।

ख) समिति को अवगत कराया गया कि हिन्दी में तकनीकी विषय पर पुस्तक लेखन हेतु तीन प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनसे अन्य विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में सिरामिक विभाग के डॉ. देवेन्द्र कुमार द्वारा अपने प्रस्ताव से संबन्धित उक्त विवरण उनलब्ध नहीं कराया गया है।

इस संबंध में, यह निर्णय लिया गया कि पुस्तक हेतु सिरामिक अभियांत्रिकी विभाग के आचार्य वी.के.सिंह या अन्य कोई, जो इच्छुक हो, से अनुरोध किया जाय एवं पुस्तक हेतु प्राप्त अन्य दो प्रस्तावों पर आगे की कार्यवाही की जाय।

ग) "भारतीय विज्ञान का इतिहास" विषय पर पुस्तक लेखन की प्रस्तावना शीघ्र प्रस्तुत करने हेतु गठित समिति से अनुरोध किया जाय।

घ) संस्थान के अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) कार्यालय से विद्यार्थियों के अनंतिम/अस्थायी प्रमाण पत्र (Provisional Certificate) द्विभाषी में तैयार करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) से संपर्क किया जाय।

च) अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) से संस्थान के समस्त विभागों/स्कूलों से विद्यार्थियों के थीसिस और डिजर्टेशन में विषय का शीर्षक (टाइटल) हिन्दी में लिखते समय अंग्रेजी के कठिन शब्दों को देवनागरी लिपि में प्रयोग करवाने के संबंध में संपर्क किया जाय।

मद सं. 3: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को संस्थान की ऑनलाइन माध्यम से भेजी गयी पिछली चार तिमाहियों की हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।

समिति को संस्थान की पिछली चार तिमाहियों की हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट में हो रही उत्तरोत्तर प्रगति से अवगत कराया गया।

उक्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट में अंग्रेजी के पत्रों का हिन्दी में उत्तर देने के प्रतिशत को बढ़ाने के संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संस्थान के सभी विभागों/अनुभागों द्वारा अधिक से अधिक अंग्रेजी के पत्रों का हिन्दी में उत्तर दिया जाय।

समिति ने यह भी निर्णय लिया कि जिन अंग्रेजी के पत्रों में विषय-वस्तु या उद्धरण वाले भाग का हिन्दी करने में कठिनाई हो, उन पत्रों में विषय-वस्तु या उद्धरण वाले भाग को अंग्रेजी में यथावत रखते हुए पत्र के शेष बचे भाग को हिन्दी में लिखा जाय।

मद सं. 4: संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा:

संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई जिसके उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

क) संस्थान के अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य), कार्यालय से शैक्षणिक प्रयोग में लाए जाने वाले सभी प्रपत्रों (फॉर्म) को राजभाषा प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाय एवं इन प्रपत्रों को समीक्षा के लिए आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय ताकि इनका द्विभाषिकरण किया जा सके।

ख) संस्थान के अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) कार्यालय से पी.एचडी का प्रस्ताव द्विभाषी में प्रस्तुत करवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने एवं कृत कार्यवाही से राजभाषा प्रकोष्ठ को अवगत कराने का अनुरोध किया जाय।

ग) आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, आचार्य संजय कुमार पांडेय एवं आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव की एक समिति गठित की जाय जो संस्थान में ज्ञान, विज्ञान एवं परंपरागत ज्ञान से संबंधित संग्रहालय स्थापित करने की दिशा में काम करें एवं इसकी एक रूपरेखा प्रस्तुत करें।

घ) आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव से वैज्ञानिक विषय पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र से जुड़कर हिंदी में संगोष्ठी आयोजित करवाने का अनुरोध किया जाय।

(गंगेश शाह गोंडवाना)
सदस्य सचिव

(रंजन श्रीवास्तव)
सदस्य

(संजय कुमार पांडेय)
सदस्य

(सुशांत कुमार श्रीवास्तव)
सदस्य

(रजनेश त्यागी)
सदस्य

(शुभेन्दु प्रकाश माथुर)
सदस्य

(अनिल कुमार त्रिपाठी)
उपाध्यक्ष

(प्रमोद कुमार जैन)
अध्यक्ष